

# जहां तरचीरें बोलती हैं

## ■ राज न्यूज नेटवर्क

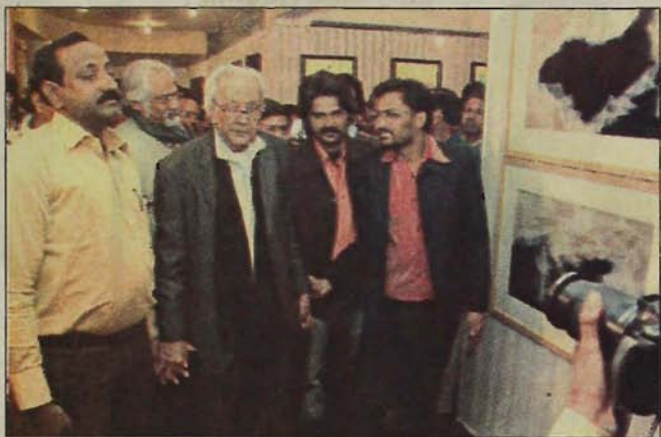
इंदौर। सयाजी क्लब में रविवार को रूप वसंत चित्रकला प्रदर्शनी का शुभारंभ मशहूर चित्रकार सैयद हैदर रजा ने किया। 27 से 29 जनवरी तक चलने वाली इस प्रदर्शनी में मध्यप्रदेश के युवा चित्रकारों की कलाकृतियों का प्रदर्शन किया जाएगा।

तीसरी बार शहर आए श्री रजा ने युवा चित्रकारों की सराहना करते हुए कहा कि भारत में मध्यप्रदेश उसी तरह है, जिस तरह मानव शरीर में हृदय। आज प्रदेश में कला और संस्कृति के स्वरूपों ने अन्य विधाओं के साथ चित्रकारी को भी परिकल्पित कर दिया है। उन्होंने पेंटिंग के विषय में संबंधित चित्रकार से जानकारी ली। इन पेंटिंग्स में रंगों का कुछ इस तरह तालमेल है कि देखने वाला उन्हें बस निहारता रहता है। अधिकतर पेंटिंग्स में हल्के और गहरे एक्रिलिक रंगों द्वारा लगाए गए स्ट्रोक्स कलाकार की कल्पना को मूर्तरूप देते नजर आते हैं। अमित म्हात्रे, ऋतु गुर्जर, जितेंद्र व्यास, पीयूष शर्मा, मोनिका सोलंकी, मोहित

भाटिया, गहुल सोलंकी, विजित शर्मा, विशाल जोशी, सतीश भैंसारे एवं शबनम शाह के चित्र उनकी सोच व कल्पनाओं के दर्शन कराते हैं।

## आप की कमी सी है...

मध्यप्रदेश में जन्मे सैयद हैदर रजा ने चित्रकारी को नया आयाम दिया है। नरसिंहपुर, मंडला और दमोह में अपना बचपन गुजारने वाले श्री रजा ने पेंटिंग्स द्वारा भारत की संस्कृति के विविध रूपों को दर्शाया है। वे उन बिरले चित्रकारों में से एक हैं, जिनका सीधा संवाद युवा चित्रकारों से बना रहा है। उनकी चित्रकारी में देश से उनकी आस्था को साफ देखा जा सकता है। 1948 में भारत यात्रा के दौरान वे दृश्य चित्रों को बनाने एवं आजाद देश को जानने के लिए पहली बार इंदौर आए थे। उस समय ओंकारेश्वर, महेश्वर और इंदौर के दृश्यों का सुंदर चित्रण उन्होंने किया था। रजा प्रदेश में बढ़ते कलाप्रेम को देखकर खुश नजर आए।



सयाजी क्लब में चित्रकला प्रदर्शनी में पेंटिंग्स को निहारते चित्रकार सैयद हैदर रजा व अन्य।